प्रेस विज्ञप्ति

ब्रह्माकुमारी संस्थान समाज को नई दिशा दे रहा – राम सेवक पैकरा, गृहमंत्री

रायपुर, 26 फरवरी: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा मार्ग पर शान्ति सरोवर में आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंग का गृह मंत्री राम सेवक पैकरा ने दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री पैकरा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान अध्यात्म के माध्यम से मानव समाज को नई दिशा देकर जीवन को सुखमय बनाने की ओर प्रयासरत है। अच्छे कर्म करने से ही जीवन में शान्ति प्राप्त की जा सकती है।

उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंग की झाँकी के आयोजन से भक्तगण न केवल बारह ज्योतिर्लिंग का दर्शन कर सकेंगे बल्कि आध्यात्मिक शिक्षा भी प्राप्त कर सकेंगे। एक ही जगह पर द्वादश ज्योतिर्लिंग को दिखाने का प्रयास सराहनीय है। इससे भक्तों के मन में अध्यात्म के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की क्षेत्रीय प्रशासिका ब्रह्माकुमारी कमला बहन ने महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बतलाते हुए कहा कि जब चारों ओर इस धरा पर अज्ञान अन्धकार छाया होता है और मनुष्यात्माएं काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार आदि विकारों के वशीभूत होकर दु:खी और अशान्त हो जाती हैं। तब ऐसे धर्मग्लानि के समय मनुष्यों को निर्विकारी और पवित्र के लिए परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण इस धरा होता है। वास्तव में महाशिवरात्रि का पर्व परमात्मा के दिव्य अवतरण की यादगार है।

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय दुनिया में बहुत भौतिक प्रगति हुई है लेकिन जीवन में दु:ख और अशान्ति बढ़ती जा रही है। सभी लोग चाहते हैं कि जीवन सुखमय बने और समाज में सद्भावना हो लेकिन यह तभी सम्भव है, जबकि मन में सभी प्राणीमात्र के लिए शुभ भावना और शुभकामना होगी।

महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बतलाते हुए उन्होंने कहा कि शिवलिंग पर पानी मिश्रित दूध ओर दही की धार टपकाने का अभिप्राय है कि हम अपनी बुद्धि का योग सतत् रूप से परमात्मा से जोड़ कर रखें। बेलपत्र चढ़ाने का तात्पर्य है कि परमात्मा के प्रति समर्पित भाव रखें। ऑक और धतूरा जैसे सुगन्ध रहित और कांटेदार फूल भेंट करने का रहस्य है कि हम अपनी बुराइयों और विकारों को (जो कि कांटों की तरह दु:ख पहुचाते हैं) परमात्मा को अर्पित कर निर्विकारी और पवित्र बनें।

इस अवसर पर राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी सविता और किरण बहन भी उपस्थित थी। यह झाँकी 04 मार्च तक रहेगी तथा इसे देखने का समय प्रतिदिन सायं 6 से रात्रि 10 बजे तक रखा गया है। किन्तु महाशिवरात्रि के दिन 27 फरवरी को प्रात: 8 से रात्रि 10 बजे तक दर्शन किया जा सकेगा।

प्रेषक : मीडिया प्रभाग,
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
शान्ति सरोवर, रायपुर फोन: 2104218, 2254254